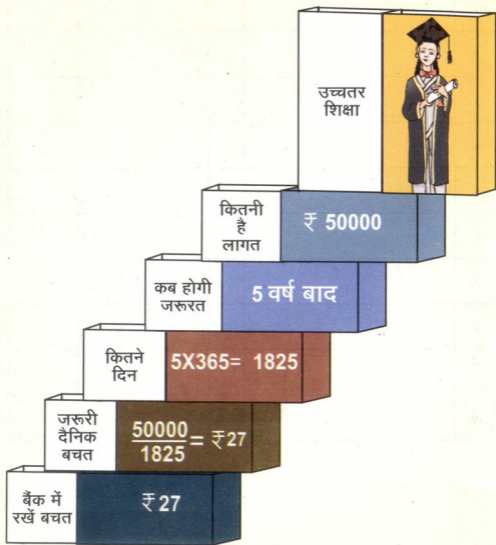


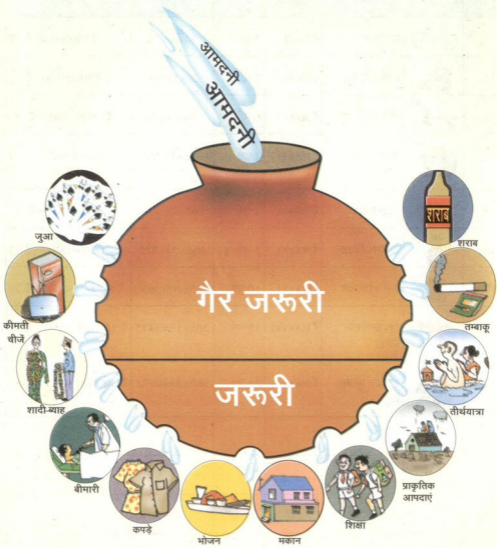
वित्तीय डायरी



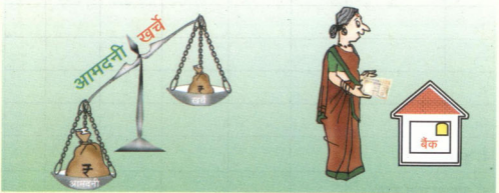
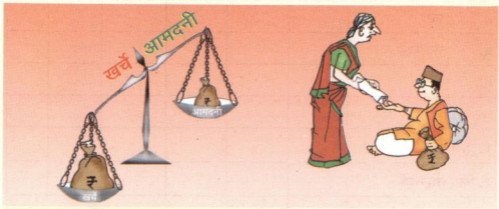
भारतीय रिज़र्व बैंक
ग्रामीण आयोजना और ऋण विभाग,
केंद्रीय कार्यालय, मुंबई
जनवरी 2014



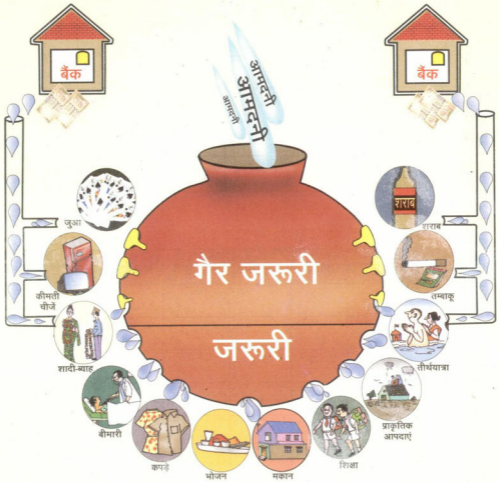
पैसा चाहिए कब और कितना,
योजना बनाकर लक्ष्य है जीतना



आपके पैसे, खर्च हुए कैसे



उतने पैर पसारिए, जितनी चादर होए



गैर जरूरी खर्चे रोको,
पैसा बचाओ, बैंक मे जोड़ो



शराब



जुआ



तम्बाकू



त्योहार



तीर्थयात्रा



कीमती चीजें



मकान



शिक्षा



भोजन और कपड़े

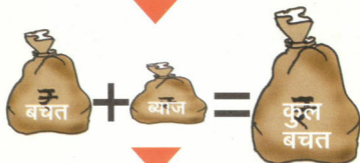


जरूरतें सीमित हैं - खर्च करें

चाहते असीमित हैं - घटाए

बुरी आदतें जोखिमभरी - बचे

सोच समझकर, खर्च करें



खुद के पैसे से खर्च करें



शिक्षा

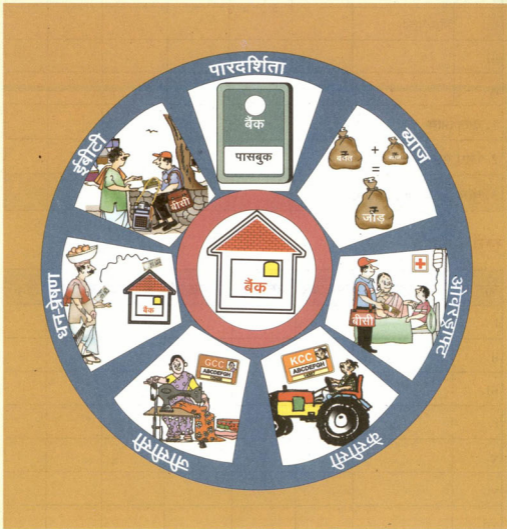


कारोबार

खर्च घटाया तो हुआ चमत्कार,
खुद के पैसे से किया कारोबार



मेहनत की कमाई को ना गंवाएं,
बैंक में ही जमा कराएं



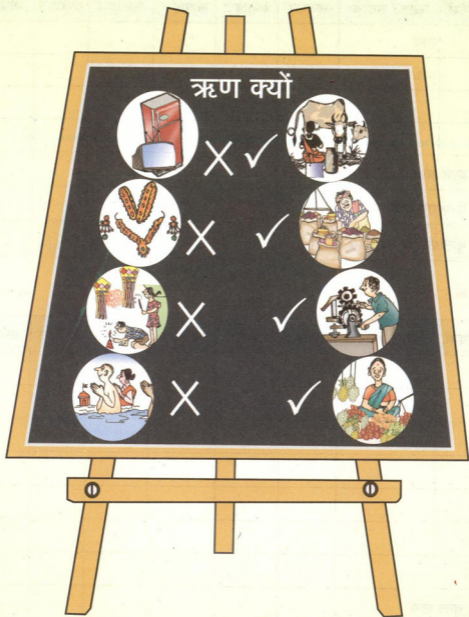
बचत खाता खोलो एक,
बैंक की सेवायें पाओ अनेक



बीसी आया, बीसी आया,
बैंक आपके द्वार लाया

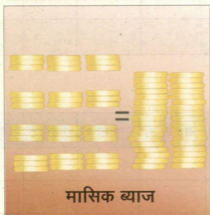


सोच समझकर लेना कर्ज,
वरना बन जाएगा मर्ज

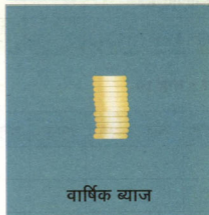


व्यवसाय लगाने को लेना कर्ज,
बढ़ेगी आमदनी, पूरे होंगे फर्ज

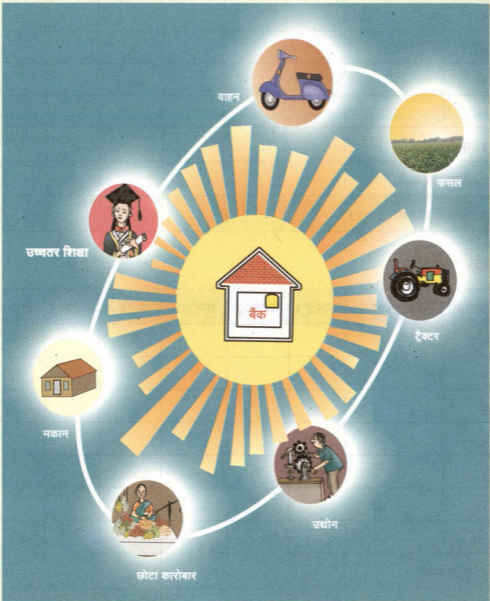
साहूकार



बैंक



बैंक से अगर लिया है कर्ज, कम है ब्याज,
और हिसाब है जायज



बैंक एक, जस्ूरतें अनेक,
फिर भी पूरी हो हर एक

बैंक से नाता जोड़ो, गरीबी को पीछे छोड़ो



तब



भारतीय रिज़र्व बैंक